Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 16-03-2005

Participants : Suman Shri Ramji Lal

>

Title: Need to ensure sale of oil seeds at the minimum support price. *h

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, इस र्वा रबी की फसल में तिलहनों का उत्पादन विगत वर्षों की तुलना में ज्यादा हुआ है और विशेरूप से सरसों का उत्पादन 75 लाख टन होने की संभावना है। सरकार ने बुआई के समय सरसों का समर्थन मूल्य रु.1700 प्रति क्विंटल रखा था और फसल तैयार होने के बाद किसान जब अपनी सरसों बेचना चाहता है, तो जो समर्थन मूल्य सरकार ने निश्चित किया था, वह उसे नहीं मिल रहा है। इसलिए किसान को मजबूरी में अपनी सरसों 1300-1400 रुपए प्रति क्विंटल पर बेचनी पड़ रही है।

महोदय, सरकार ने यह जिम्मेदारी ली थी कि किसानों की सरसों की खरीद नैफेड करेगा, लेकिन पूरे हिन्दुस्तान में नैफेड के जो केन्द्र बने हैं, वे जितनी मात्रा में सरसों उपलब्ध है, उसके हिसाब से बहुत कम हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है किसान अपनी सरसों औने-पौने दामों में बेचने पर मजबूर है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं, विशेाकर के जो सरसों उत्पादन के क्षेत्र हैं, जैसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब आदि में बड़े पैमाने पर नैफेड की तरफ से क्रय केन्द्र स्थापित किए जाएं जिससे किसानों को मजबूरी में अपनी सरसों कम दामों पर न बेचनी पड़े।

महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं, आप हमारे अधिकारों का संरक्षण करें और आपकी मार्फत सरकार से कहना चाहूंगा कि सरकार अविलम्ब नैफेड के केन्द्र उन राज्यों में स्थापित करे जिन राज्यों में सरसों ज्यादा पैदा होती है जिससे किसानों को अपनी सरसों कम दामों पर बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े।